



NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2014

HINDI HOME LANGUAGE: PAPER I

Time: 2 hours

70 marks

PLEASE READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY

1. This question paper consists of 6 pages. Please check that your paper is complete.
 2. Read the instruction to each question carefully.
 3. Answer all sections.
 4. All answers must be written in the Hindi script.
 5. You may use the last 4 pages of the Answer Book for rough work. Cross out all rough work before handing in your Answer Book.
-

प्रश्न एक

१. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में हिन्दी में दीजिए।

वापसी

उषा प्रियंवदा

गजाधर बाबू ने कमरे में जाने समान पर एक नज़र दौड़ाई-दो बक्स, डोलची, बालटी — “यह डिब्बा कैसा है गनेशी ?” उन्होंने पूछा। गनेशी बिस्तार बाँधता हुआ, कुछ गर्व, कुछ दुःख, कुछ लज्ज से बोला “घरवाली ने साथ को कुछ बेसन के लड्डु रखा दिए हैं। कहा, बाबुजी को पसन्द थे, अब कहाँ हम गरीब लोग आपकी कुछ खातिर कर पाएँगे।” घर जाने कि खुसी में भी गजाधर बाबू ने एक विषाद का अनुभव किया, जैसे एक परिचित स्नेह, आदरमय सहज संसार से उनका नाता टूट रहा था।

“कभी-कभी हम लोगों की भी खबर लेते रहिएगा।” गनेशी बिस्तर में रस्सी बाँधता हुआ बोला। “कभी कुछ जरूरत हो तो लिखना, गनेशी। इस अगहन तक बिटिया की शादी कर दो।” गनेशी ने अगोछे के छोर से आँखें पोछें, “अब आप लोग सहारा न देंगे, तो कौन देगा। आप यहाँ रहते, तो शादी में कुछ हौसला रहता।”

गजधर बाबू चलने को तैयार बैठ थे। रेल्वे क्वाटर का यह कमरा, जिसमें उन्होंने कितने वर्ष बिताए थे, उनका समान हट जाने से कुरूप और नग्न लगा था। आँगन में रोप पौधे भी जान — पहचान के हुई थी। पत्नी, बाल-बच्चों के साथ रहने कल्पना में यह बिछोह एक दुर्बल लहर की तरह उठकर विलीन हो गया।

गजाधर बाबू खूश थे, बहुत खुश। पैंतीस साल की नौकरी के बाद वह रिटायर होकर जा रहे थे। इन वर्षों में अधिकांश समय उन्होंने अकेले रहकर काटा था। उन अकेले क्षणों में उन्होंने इसी समय की कल्पना की थी, जब वह अपने परिवार के साथ रह सकेंगे। इसी आशा के सहरे वह अपने अभाव का बोझ ढो रहे थे। संसार की दृष्टि में उनका जीवन सफल कहा जा सकता था। उन्होंने शहर में एक मकान बनवा लिया था, बड़े लडके अमर और लडकी कान्ति की शादियाँ कर दी थीं, दो बच्चे ऊँची कक्षाओं में पढ़ रहे थे। गजाधर बाबू नौकरी के कारण प्रयः छोटे स्टेशनों पर रहे, और उनके बच्चे और पत्नी सहर में, जिससे पढ़ाई में बाधा न हो। गजधर बाबू स्वभाव से स्नेही व्यक्ति थे और स्नेह के आकांक्षी भी। जब परिवार साथ था, ड्युटी से लौटकर बच्चे से हँसते-बोलते, पत्नी से कुछ मनोविनोदन करते उन सबके चले जाने से उनके जीवन में गहन सूनापन भर उठा। खाली क्षणों में उनसे घर में टिका न जाता। कवि प्रकृति के न पर भी, उन्हें पत्नी की स्नेहपूर्ण बातें याद रहती। दोपहर में, गरमी होने पर भी, दो बजे तक आग जलाए रहती और उनके स्टेशन से वापिस आने पर

गरम — गरम रोटियों सेंकती - उनके खा चुकने ओर मन करने पर भी थोडा — सा कुछ ओर थैली में परोस देती — ओर बडे प्यार से आग्रह करती । जब वह, थके हारे बाहर से आते, तो उनकी आहट पर वह रसोई के द्वार पर निकल आती, ओर उनकी सलज्ज आँखें मुस्करा उठातीं । गजाधर बाबू को तब, हर छोटी बात भी याद आती और वह उदास हो उठते अब कितने वर्षों बाद वह अवसर आया था जब वह फिर उसी स्नेह ओर आदर के मध्य रहाने जा रहे थे ।

- १.१ गजाधर बाबू कहाँ काम करते थे ? (२)
- १.२ घर वापस जाने पर उनको कैसा लगा था ? (४)
- १.३ "सूनापन भर उठा" इसका अर्थ विस्तार पूर्वक समझाइए । (६)
- १.४ गनेशी ने गजाधर बाबू से क्या कहाँ ? (४)
- १.५ अवतरण में से समानार्थी शब्द लिखिए ।
- १.५.१ कमजोर
- १.५.२ वाक्ता
- १.५.३ स्नेह
- १.५.४ विघ्न (४)
- १.६ अवतरण में से विलोप शब्द लिखिए ।
- १.६.१ भूलना
- १.६.२ गोंव
- १.६.३ अमीर
- १.६.४ ठंडी (४)
- १.७ "अब कितने वर्षों बाद वह अवसर आया था जब वह फिर उसी स्नेह ओर आदर के मध्य रहाने जा रहे थे"? इस शब्द किसने कहाँ और पाठ के अनुसार अपने शब्दों में समझाइए । (६)
- [३०]

प्रश्न दो

२. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसका संक्षिप्त विवरण कीजिए

‘भागो! इस पेड़ पर भूत हैं।’ माली की यह बात सुनते ही सभी बच्चे तुरंत नीचे कूद पड़े और भागें। माली ने चैन की साँस ली। तभी पेड़ से आवाज़ आई, “माली भैया, कहाँ है भूत ? मुझे तो ढूँढ़ने पर भी नहीं मिला। भूत हो दिखाई न दे !” माली बालक की निर्भीकता देख कर आश्चर्य - चकित था। बालक का नाम था — नरेंद्र। यही नरेंद्र आगे चलकर स्वामी विवेकानंद के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

नरेंद्र बचपन से ही बहुत होनहार थे। उनकी माता भुवनेश्वरी देवी थीं। वे कथा — कहानियाँ सुनाकर नरेंद्र में संस्कार भरती थीं। नरेंद्र के पिता विश्वनाथ दत्त थे। नरेंद्र को अपने पिता से तीव्र बुद्धि और माता से धार्मिक विचार में मिले थे।

नरेंद्र को किताबें पढ़ने का भी बड़ा शौक था। जब वे मेरठ में थे तो प्रतिदिन पुस्तकालय से एक किताब लाया करते। एक दिन में पढ़कर उसे लौटा देते और दूसरी पुस्तक ले आते। जब लगातार कुछ दिनों तक यही कम चला तो पुस्तकालय के अधिकारी को बड़ा आश्चर्य हुआ। उसने सोचा — नरेंद्र पुस्तकें पढ़ता है या केवल पढ़ने का ढोंग ही करता है। एक दिन अधिकारी ने नरेंद्र से पूछ ही लिया, “तुम किताबें पढ़ते भी हो या वैसे ही बिन पढ़े लौटा देते हो ?” नरेंद्र ने कहा, “मैंने आपके यहाँ से ली सभी पुस्तकों को अच्छी तरह पढ़ा। आप चाहें तो मुझसे किसी भी किताब से प्रश्न पूछ सकते।” अधिकारी ने नरेंद्र की लौटाई किताब उठाई और एक पृष्ठ खोलकर प्रश्न पूछा। नरेंद्र ने उनके सभी प्रश्नों के सही सही उत्तर दे दिए। अधिकारी के आश्चर्य का ठिकाना न रहा। उसने पूछा, “ऐसा कैसे हो सकता है।”

नरेंद्र ने कहा, “एक छोटा बच्चा जब पढ़ता है तब वह एक एक अक्षर को जोड़ जोड़ पढ़ता है। तब उसकी दृष्टि एक एक शब्द पर फिर लगातार अभ्यास के बाद वह एक दृष्टि में एक वाक्य को लगता है। नरेंद्र ने आगे कहा “यह सिर्फ अभ्यास है। बड़े होकर नरेंद्रनाथ ने सन्यास ले लिया। अपने देशवासियों को जगाने के लिए सिंह गर्जना करते हुए उन्होंने कहा, “उठो, जागो, आगे बढ़ो और अपना लक्ष्य प्राप्त किए बिना रुको नहीं।”

[१०]

प्रश्न ३

३.१ निम्न विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिए ।

**बैंकिंग सेवाओं में
एक उल्लेखनीय अंतर**

इंटरनेट बैंकिंग
मोबाइल बैंकिंग
वीसा अंतरराष्ट्रीय
एटीएम-सह-डेबिट कार्ड
ऑनलाइन पेमेंट गेटवे
निधि अंतरण
(आरटीजीएस/एनईएफटी)
कर का ई-भुगतान

इलाहाबाद बैंक की तकनीकी बैंकिंग का उपयोग करें।
यह सरल, सुगम और सुविधाजनक है।

अधिक जानकारी के लिए अपनी नजदीकी शाखा से संपर्क करें

हर कदम
आपके साथ

इलाहाबाद बैंक  **ALLAHABAD BANK**

www.allahabadbank.in

- ३.१.१ इस विज्ञापन में क्या विज्ञापित किया गया है ? (२)
- ३.१.२ “वैकिंग सेवाओं में एक उल्लेखनीय अंतर” :
- ३.१.२.१ इस वाक्य का क्या अर्थ है ? (२)
- ३.१.२.२ ये क्यों बड़े अक्षरों में हैं ? (२)
- ३.१.३ इस वस्तु को इस्तमाल करने से क्या लाभ मिलते हैं ? (२)
- ३.१.४ विज्ञापन में से तीन शब्द चुनिए जो बताते हैं कि यह आसानी से प्रयोग कर सकते हैं ? (४)
- ३.१.५ एक भावात्मक वाक्य विज्ञापन से चुन कर लिखिए तथा उनका अर्थ भी बताई ? (२)
- ३.२ निम्न चित्र को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिए ।



- ३.२.१ इस चित्र में आप क्या दृश्य देख सकते हैं ? उत्तर का कारण लिखिए । (२)
- ३.२.२ चित्र के अनुसार उत्तर लिखिए :
- ३.२.२.१ आदमी यह प्रश्न क्यों पूछा ? (४)
- ३.२.२.२ आदमी के सर के निकट सितारें क्यों हैं ? (२)
- ३.२.२.३ महंगाई और रावण में क्या अन्तर है ? (४)
- ३.२.२.४ चित्र से क्या सन्देश मिलते हैं ? (४)

[३०]

Total: 70 marks